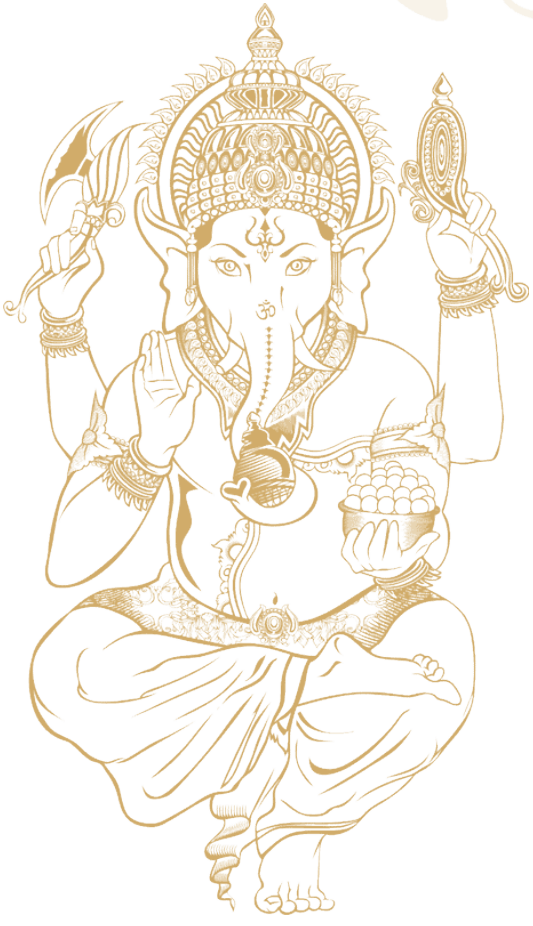

Pihu

11 Jan 2024

11:53 AM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121501602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/01/2024**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:53:00 घंटे**
इष्ट	11:26:46 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:32:12 घंटे
वेलान्तर	-00:07:38 घंटे
साम्पातिक काल	18:53:17 घंटे
सूर्योदय	07:18:17 घंटे
सूर्यास्त	17:39:00 घंटे
दिनमान	10:20:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:18:44 धनु
लग्न के अंश	24:59:44 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:59:44	508:36:05	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			धनु	26:18:44	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	23:08:52	14:37:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	10:46:06	00:44:56	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	02:55:26	00:56:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	11:36:17	00:02:18	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	20:57:06	01:13:28	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	10:01:03	00:05:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	26:04:10	00:12:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	26:04:10	00:12:25	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	25:00:31	00:00:50	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	01:03:45	00:01:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	05:29:30	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			धनु	18:03:51	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:29

लग्न-चलित

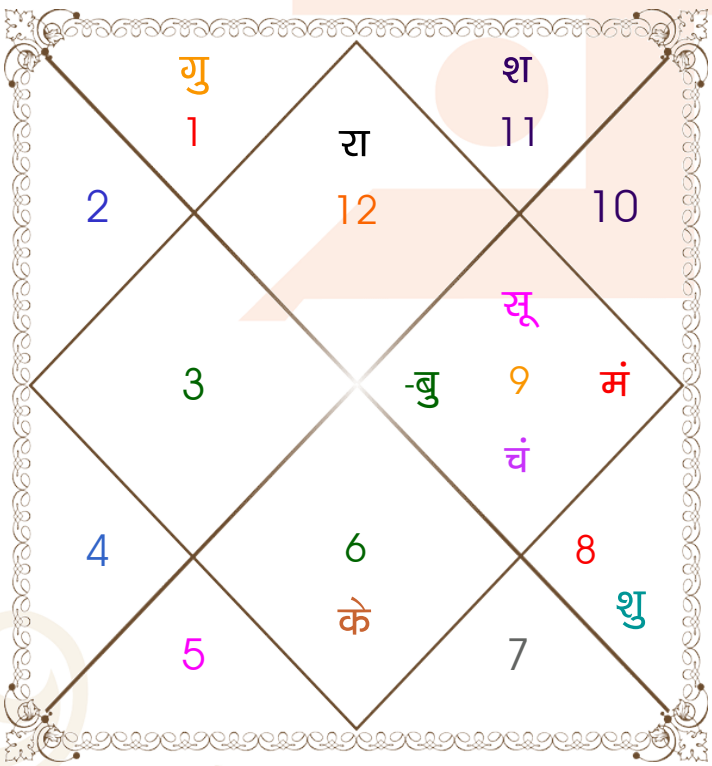

चन्द्र कुंडली

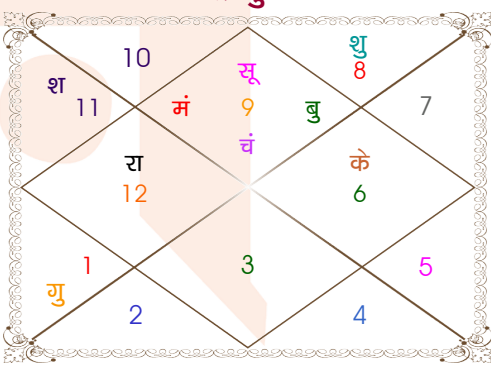

नवमांश कुंडली

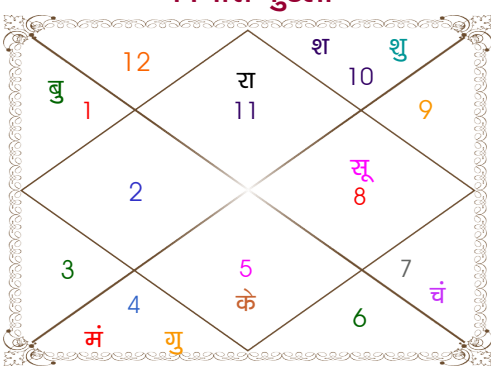

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 3 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/01/2024		22/04/2029		22/04/2035		22/04/2045		22/04/2052	
22/04/2029		22/04/2035		22/04/2045		22/04/2052		22/04/2070	
	00/00/0000	सूर्य	10/08/2029	चंद्र	21/02/2036	मंगल	18/09/2045	राहु	03/01/2055
	00/00/0000	चंद्र	08/02/2030	मंगल	21/09/2036	राहु	07/10/2046	गुरु	28/05/2057
	00/00/0000	मंगल	16/06/2030	राहु	23/03/2038	गुरु	13/09/2047	शनि	03/04/2060
	00/00/0000	राहु	11/05/2031	गुरु	23/07/2039	शनि	21/10/2048	बुध	22/10/2062
	00/00/0000	गुरु	27/02/2032	शनि	20/02/2041	बुध	19/10/2049	केतु	09/11/2063
	11/01/2024	शनि	08/02/2033	बुध	23/07/2042	केतु	17/03/2050	शुक्र	09/11/2066
शनि	22/04/2025	बुध	15/12/2033	केतु	21/02/2043	शुक्र	17/05/2051	सूर्य	04/10/2067
बुध	21/02/2028	केतु	22/04/2034	शुक्र	21/10/2044	सूर्य	22/09/2051	चंद्र	04/04/2069
केतु	22/04/2029	शुक्र	22/04/2035	सूर्य	22/04/2045	चंद्र	22/04/2052	मंगल	22/04/2070

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
22/04/2070		22/04/2086		23/04/2105		23/04/2122		23/04/2129	
22/04/2086		23/04/2105		23/04/2122		23/04/2129		00/00/0000	
गुरु	09/06/2072	शनि	25/04/2089	बुध	20/09/2107	केतु	19/09/2122	शुक्र	22/08/2132
शनि	22/12/2074	बुध	03/01/2092	केतु	16/09/2108	शुक्र	19/11/2123	सूर्य	23/08/2133
बुध	29/03/2077	केतु	11/02/2093	शुक्र	18/07/2111	सूर्य	26/03/2124	चंद्र	23/04/2135
केतु	05/03/2078	शुक्र	13/04/2096	सूर्य	23/05/2112	चंद्र	25/10/2124	मंगल	23/06/2136
शुक्र	03/11/2080	सूर्य	26/03/2097	चंद्र	23/10/2113	मंगल	24/03/2125	राहु	23/06/2139
सूर्य	22/08/2081	चंद्र	25/10/2098	मंगल	20/10/2114	राहु	11/04/2126	गुरु	21/02/2142
चंद्र	22/12/2082	मंगल	04/12/2099	राहु	08/05/2117	गुरु	18/03/2127	शनि	12/01/2144
मंगल	28/11/2083	राहु	11/10/2102	गुरु	14/08/2119	शनि	26/04/2128		00/00/0000
राहु	22/04/2086	गुरु	23/04/2105	शनि	23/04/2122	बुध	23/04/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 2 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।